www.a2zpapers.com

Exam. Code : 216302
Subject Code : 4445

M.A. Hindi 2nd Semester

ADHUNIK HINDI KAVYA

Paper—VI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :— 6×4=24

(क) हर तरफ। शब्दबेधी सन्नाटा है।
दरिद्र की व्यथा की तरह
उचाट और कूँथता हुआ। घृणा में
डूबा हुआ सारा का सारा देश
पहले की ही तरह आज भी
मेरा कारागार है।

(ख) कुछ हैं जिन्हें शब्द मिल चुके हैं
कुछ हैं जो अक्षरों के आगे अन्धे हैं
वे हर अन्याय को चुपचाप सहते हैं
और पेट की आग से डरते हैं।

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

(ग) किन्तु हम हैं द्वीप। हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के
किन्तु हम बहते नहीं है। क्योंकि बहना रेत होना है।

(घ) श्रेय नहीं कुछ मेरा :
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में—
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब कुछ को सौंप दिया था—
सुना आपने जो वह मेरा नहीं,
न वीणा का था : वह तो सब कुछ की तथता थी—

(ङ) वह कलाकार था
गलियों के अंधेरे का, हृदय में भार था
पर, कार्य क्षमता से वंचित व्यक्ति,
चलाता था अपना असंग अस्तित्व।

(च) उदरम्भरि बन अनात्म बन गये,
भूतों की शादी में कनात-से तन गए,
किसी व्यभिचारी के बन गए बिस्तर
दु:खों के दाग़ों को तमग़ों सा पहना,
अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना,
असंग बुद्धि और अकेले में रहना
अब तक क्या किया,
जीवन क्या जिया।

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

भाग—ख

2. निम्नलिखित लघुउत्तरापेक्षी प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए :— 6×4=24

(क) प्रयोगवादी कवि के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) मुक्तिबोध की कविताओं के भावजगत पर प्रकाश डालिए।

(ग) धूमिल की कविताओं में मानव-मूल्यों की पहचान पर एक टिप्पणी लिखिए।

(घ) अज्ञेय काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) भारतभूषण का साहित्यिक परिचय लिखिए।

(च) नरेश मेहता के काव्य-नाटकों का परिचय दीजिए।

भाग—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का दीर्घउत्तरापेक्षी उत्तर दीजिए :— 16×2=32

(क) लम्बी कविता 'अंधेरे में' की समीक्षा कीजिए।

(ख) छायावादोत्तर काव्य में अज्ञेय-साहित्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'धूमिल की कविता आज के व्यक्ति का प्रतिबिम्ब है'— सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

www.a2zpapers.com